आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 05-07-2014

बाबा ने आज हमें ड्रामा का एक और पाईन्ट बताते हुए कहा, यह अनादि ड्रामा फिरता ही रहता हैं, टिक-टिक होती रहती हैं, इसमें एक का पार्ट न मिले दूसरे से, इसे यथार्थ समझकर सदा हर्षित रहना हैं.

बाबा ने आज तक ड्रामा के बारे में जो भी पॉइन्टस बताये हैं, उसको रिवाईज करेंगे और उससे मुझे क्या शिक्षा मिली हैं वह हमारे जीवन में धारण करेंगे.

--> यह ड्रामा एक्युरेंट हैं या कहे यह ड्रामा मेरे लिए बहुत कल्याणकारी हैं. --- यह पाईन्ट मुझे बेफिक्र बनाती हैं. आत्मा में बल भरता हैं. हर रोज एक बार यह पाईन्ट रिपिट करेंगे तो इसे बहुत अच्छा रिज़ल्ट मिलता हैं.

--> ड्रामा हर 5000 वर्ष रिपिट होता हैं. --- यह पाईन्ट हमें सिखाता है, अभी जो भी कर्म करेंगे, वही कर्म ड्रामा के अगले साइकिल में भी फिर करेंगे, तो अब हमें अपना हर कर्म को श्रेष्ठ बनाना हैं. बाकी रहा हुआ ड्रामा में हमारा कोई भी पार्ट चले लेकिन हमें किसी को भी अपने मन-वचन-कर्म से दुखी नहीं करना हैं और किसी को देख स्वयं को दुखी नहीं होना हैं.

--> इस बेहद के ड्रामा में सब आत्माये नम्बरवार पार्ट बजाने आते हैं. ड्रामा में पार्टधारी आत्माओं के नम्बर में फर्क नहीं हो सकता. --- यह पाईन्ट हमें क्यू-क्या के प्रश्नों से उपराम कर देता हैं.

--> ड्रामा टिक-टिक जुई मिसल चलता हैं. --- यह पाईन्ट हमें धैर्यता सिखाता हैं.

--> ड्रामा हर सेकण्ड चेईन्ज होता हैं. --- यह पाईन्ट हमें साक्षी हो कर ड्रामा को देखना सिखाता हैं. अचानक के समय पर ये पाईन्ट हमें अचल-अडोल रहना सिखाता हैं.

--> ड्रामा अंतिम चरण में हैं. यह पुरानी दुनिया विनाश होनी हैं, अब हम अपने बाबा के पास जाते हैं फिर सतयुग में आयेंगे. --- यह पाईन्ट हमारी बुद्धि को उपराम

बना देता हैं, पुरानी दुनिया से नाता तोड़ नयी दुनिया से जोड़ देता हैं. आत्मा में समेटने की शक्ति को बढ़ाता हैं.

ड्रामा में हम आत्माओं का पार्ट के बारे में बाबा ने जो पॉइन्ट्स बताई हैं, उसे भी एक बार रिपिट कर लेंगे.

- ड्रामा के शुरू में आत्माये बहुत कम होती हैं. सतयुग के शुरु में 9 लाख, सतयुग अन्त तक 2 करोड और त्रेता के अन्त तक 33 करोड.

- इस ड्रामा में जो आत्मा ऊपर से नीचे एक बार पार्ट बजाने आ जाती हैं, वह आत्मा फिर से वापस अपने घर (परमधाम) ड्रामा के बीच में से नहीं जा सकती.

- इस बेहद के ड्रामा में सभी आत्माओं को पार्ट बजाना ही हैं, किसी का एक-दो जनम का पार्ट हे, तो हम बच्चों का पूरा 84 जन्मो का पार्ट हैं. किसी को मोक्ष नहीं मिलता.

- इस बेहद के ड्रामा में आत्माओं की वृद्धि, शुरू से अन्त तक होती ही रहती हैं.

- आत्माओं का झाड़ कभी सुखता नहीं हैं. बाबा ने बताया हैं की दोनों स्थान, परमधाम और विश्व का रंगमंच, आत्माओं से कमप्लेट खाली नहीं होता हैं.

- इस ड्रामा में एक आत्मा का पार्ट दूसरी आत्मा से नहीं मिलता. (आज की मुरली पाईन्ट - जैसे बाप साक्षी हो कर ड्रामा में हम बच्चों का पार्ट देखते हैं वैसे ही हमें भी साक्षी हो कर हरेक पार्ट देखना हैं. किसी का पार्ट को देख हमें अपनी स्थिति नीचे नहीं लानी हैं. बल्कि उसकी तरफ रहेमभाव रख, शुभ-भावना और शुभ-कामना के वाईब्रेशन देने हैं.)

ॐ शांति.